शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

हमारा उत्तर प्रदेश

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

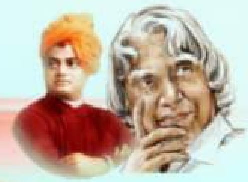

हमारा उत्तर प्रदेश

01

उत्तर प्रदेश की स्थापना

बहुत प्राचीन महत्वपूर्ण है,
उत्तर प्रदेश का इतिहास।
कई महान ऋषि-मुनियों के,
तप ने बनाया इसको खास।।

जिसने बौद्धिक श्रेष्ठता को,
बनाए रखा था ब्रिटिश काल में।
उत्तर प्रदेश के नाम से,
जाना जाता है फिलहाल में।।

1935 में संयुक्त प्रान्त के,
नाम से जाना गया।
1950 में उसको ही,
उत्तर प्रदेश माना गया।।

अवध-आगरा दो प्रान्तों से,
मिलकर हुआ है यह स्थापित।
रामायण और महाभारत की,
कथा इस क्षेत्र पर आधारित।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

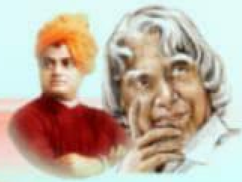

हमारा उत्तर प्रदेश

02

23°52' अक्षांश है विस्तार,
77° 50' देशान्तर प्रसार।
24,0928 है इसका क्षेत्रफल,
दक्षिण में है पठार विन्ध्याचल।।

क्षेत्रफल और विस्तार

पूर्व से पश्चिम तक 650 कि० मी०,
उत्तर से दक्षिण तक 240 कि० मी०।
उत्तर में उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश,
पूर्वोत्तर दिशा में है नेपाल देश।।

आठ राज्यों से घिरा हुआ है,
गंगा के मैदानों में बंटा हुआ है।
भारत के उत्तर में स्थित है,
गंगा-यमुना ऐतिहासिक हैं।।

उत्तर-प्रदेश भारत का राज्य,
जिसका है प्राचीन साम्राज्य।
इसका है बड़ा असीम विस्तार,
पूरब में छत्तीसगढ़ और बिहार।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

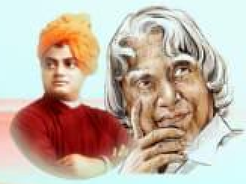

हमारा उत्तर प्रदेश

03

उ० प्र० की राजधानी- लखनऊ

लखनऊ भारत के सर्वाधिक आबादी,
वाले राज्य उ० प्र० की राजधानी है।
ऐतिहासिक व सांस्कृतिक रूप से,
इसकी एक अनोखी कहानी है।।

यह उस क्षेत्र में स्थित है जिसे,
अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है।
गोमती नदी के किनारे पर है बसा,
यह नवाबों का शहर भी कहलाता है।।

आज लखनऊ एक जीवन्त शहर है,
जिसमें आर्थिक विकास दिखता है।
भारत के तेजी बढ़ रहे गैर-महानगरों के,
शीर्ष पन्द्रह में इसे हर कोई गिनता है।।

यह हिन्दी व उर्दू साहित्य के,
उत्कृष्ट केन्द्रों में से एक सिद्ध है।
यहाँ अधिक लोग हिन्दी बोलते हैं,
हिन्दी का लखनवी अन्दाज़ विश्व प्रसिद्ध है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

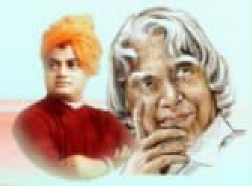

हमारा उत्तर प्रदेश

04

उ०प्र० का राजकीय पशु
बारहसिंघा (REINDEER)

सुन्दर राजकीय पशु हमारा,
बारहसिंघा इसका नाम प्यारा।
बड़े बहुशाखित सींग अनोखे,
संख्या बारह जिनकी पहुँचे।।

दलदल इसका प्रिय निवास आम है,
'स्वेम्प डिअर' भी इसका नाम है।
दुर्लभ पशु ये हिरण प्रजाति का,
विलुप्तप्राय है जीवन जिसका।।

पत्ते, घास, जड़ी-बूटियाँ खाता,
शाकाहारी जीव ये कहलाता।
औसत जीवन तीस साल का,
होता पीले-पीले, भूरे रंग का।।

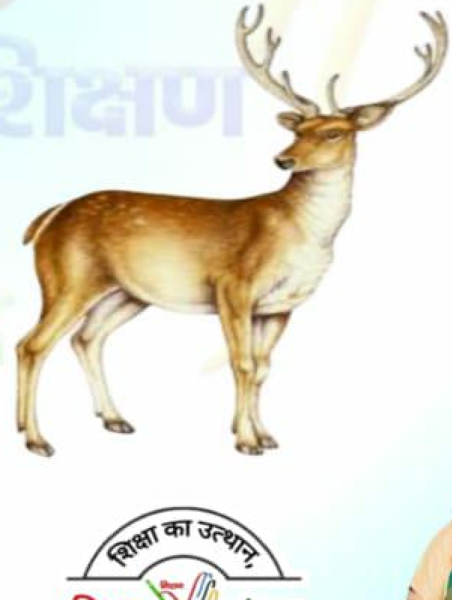

झुँड बना कर निवास हैं करते,
निशाचर प्रकृति के पशु ये होते।
संख्या दिन पर दिन घटती जाए,
सरकार ने रक्षा हेतु नियम बनाये।।

रचना - डॉ० नीतू शुक्ला
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

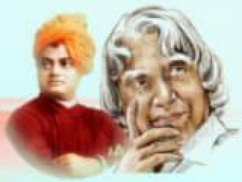

हमारा उत्तर प्रदेश

05

मथुरा- पर्यटन स्थल

उत्तर प्रदेश में ब्रज में मथुरा नगर,
एतिहासिक, धार्मिक, पर्यटन-स्थल है।
श्री कृष्ण का जन्म-स्थान है यहाँ,
सप्तपुरियों में वर्णित पवित्र स्थल है।।

यमुना तट स्थिति गोकुल, महावन,
श्री कृष्ण का लीलाओं से भरा बचपन।
माखन चोरी, ग्वालिन की मटकी फोड़ीं,
ऊखल-बन्धन, कालीनाग मर्दन।।

पशु-पक्षी मन्त्रमुग्ध सुन वंशी की धुन,
ब्रज मण्डल में कृष्ण ने गौचारण किया।
मार कंस के असुरों को, कुब्जा को तार,
नाना उग्रसेन को मथुरा का राज दिया।।

वृन्दा का वन ढूँढ़ा स्वामी हरिदास ने,
यहाँ यमुना किनारे कृष्ण रास किया।
वृन्दावन प्रभु श्री बाँके बिहारी बिराजे,
दर्शन देकर के भक्तों का मंगल किया।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

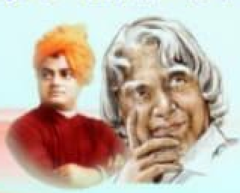

हमारा उत्तर प्रदेश

06

उत्तर प्रदेश की मुख्य फसल- गेहूँ

उत्पादन की दृष्टि से,
प्राप्त प्रथम स्थान।
है रबी की फसल यह,
गेहूँ प्रचलित नाम।।

अक्टूबर के माह में,
फसल बोयी है जाती।
देश के कुल उत्पादन में,
34% हिस्सेदारी आती।।

पाँच-छः सिंचाई में,
होती फसल तैयार।
उर्वरक और कीटनाशक,
डालें सोच-विचार।।

कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन,
फाइबर की मात्रा है प्रचुर।
ऊर्जा का है मुख्य स्रोत,
शक्ति देता है भरपूर।।

रचना- सीमा मिश्रा (स.अ.)
उ. प्रा. वि. काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

07

उत्तर प्रदेश का खानपान

उत्तर प्रदेश का खानपान,
आओ समझें जानें हम।
लोगों का है भोजन कैसा?
अभिरुचि को पहचानें हम।।

छोले-भटूरे, चाट-पकौड़े,
और समोसे मन को भाते।
गर्मी में फिर पानी-बताशे,
खूब हैं खाते, आते-जाते।।

चावल-सब्जी, रोटी-दाल,
आलू-पराठे, खिचड़ी खाते।
पूड़ी-कचौरी, पकवान बनें,
कढ़ी, मटर-पनीर सुहाते।।

दही, जलेबी और इमरती,
बर्फी, दूधिया, लड्डू लाते।
मीठी मिठाई हलवाई की,
बहुत प्रेम से सब हैं खाते।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

08

उत्तर प्रदेश है जिसका नाम,
राजधानी लखनऊ प्रसिद्ध नाम।
खास है यह नगर, नहीं है आम,
राजकीय फल है यहाँ का आम।।

राजकीय फल- आम

फलों का राजा कहलाता आम,
खट्टा-मीठा होता है आम।
गुणों की खान रसीला आम,
फलों में खास पर नाम है आम।।

कच्चा कैरी कहलाता आम,
सबके दाँत खट्टे करता आम।
पक कर पीला होता आम,
आम के आम देता गुठलियों के दाम।।

चौसा, दसहरी, लँगड़ा आम,
तोतापरी जैसी प्रजातियों के नाम।
गर्मी में आए अनेकों काम,
जूस, अचार, चटनी, पन्ना सुबह-शाम।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

09

उत्तर प्रदेश के लोगों की वेशभूषा

उत्तर प्रदेश के लोगों की,
वेशभूषा को जानें आओ।
क्या हैं पहनते लोग यहाँ के?
संस्कृति को पहचानें आओ।।

महिलाएँ सजती साड़ी में,
सलवार-सूट, पहनती लहँगा।
और सभी मुस्लिम महिलाएँ
पहन के चलती बुरका महँगा।।

कुर्ता और धोती, पायजामा,
सूट यहाँ पर मन को भाते।
शीत ऋतु में स्वेटर, मफलर,
कोट व जैकेट पहने जाते।।

रंग- रंगीले बच्चों के हैं,
मनमोहक परिधान सुहाते।
जींस, टॉप और शर्ट पहनकर,
फ्रॉक, सूट में हैं इतराते।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

10

ऐतिहासिक स्थल- आगरा का किला

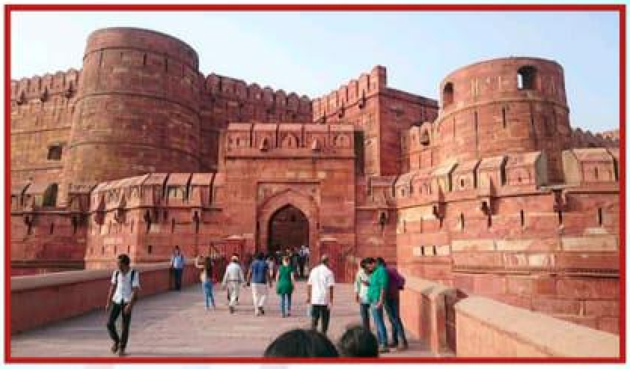

1983 से आगरा का किला यूनेस्को द्वारा,
विश्व धरोहरों मे से एक स्थल घोषित है।
यह ऐतिहासिक किला भारत के उत्तर प्रदेश,
राज्य के प्रसिद्ध शहर आगरा में स्थित है।।

इसे सन 1080 में गजनवी द्वारा जीता गया,
1506 मे सिकन्दर लोदी ने फतह किया।
उसके बाद यह मुगलों की राजधानी बना,
यह जहाँगीर के न्याय के लिए प्रसिद्ध हुआ।।

1638 तक मुगल शासक यहाँ रहते रहे,
यहाँ से सम्पूर्ण शासन की देखरेख करते रहे।
मुसम्मन बुर्ज से ताजमहल देख सकते हैं,
इसमें मुगल स्थापत्य कला के बेहतरीन नमूने हैं।।

इसके अन्दर ईंटें, बाहर लाल बलुआ पत्थर लगा है,
इसकी दोहरी प्राचीर, आकार अर्धचन्द्राकार है।
शाहजहाँ ने इस किले को वर्तमान रूप दिया,
1857 मे यह किला प्रथम युद्ध स्थल बना।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

हमारा उत्तर प्रदेश

11

उत्तर प्रदेश- भाषाएँ

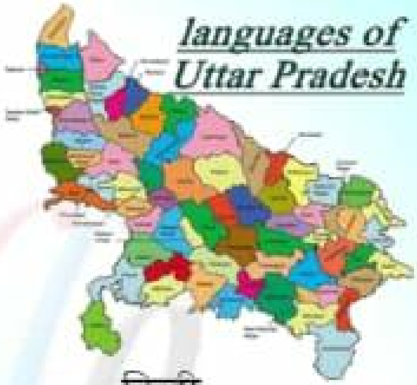

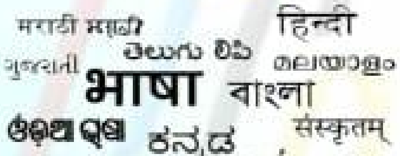

जरा-जरा सी दूरी पर ही,
भाषा में है भेद मिले।
रंग-रुप, रहन-सहन में,
भाषा का समावेश मिले।।

बच्चे सबसे पहले अपनी,
मातृभाषा को सीख जाते हैं।
मातृभाषा के बाद में ही अन्य,
भाषाएँ उपयोग में लाते हैं।।

सरल सहज है हिन्दी अपनी,
कई राज्यों में बोली जाती।
सरकारी काम में उत्तर प्रदेश के,
हिन्दी, अंग्रेजी प्रयोग में लायी जाती।।

अलग-अलग हों भाषाएँ,
या अलग-अलग हो रुप।
चाहे हम जहाँ भी जाएँ,
न बदले एकता का स्वरुप।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

हमारा उत्तर प्रदेश

12

गोमती नदी

गोमत ताल है उद्गम इसका,
उत्तर प्रदेश की शान है।
मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है,
आदिगंगा भी नाम है।।

पुत्री है ये ऋषि वशिष्ठ की,
सहायक है ये सरयू नदी की।
मिल जाती माँ गंगा में,
वाराणसी अन्तिम धाम है।।

भगवान राम ने डुबकी लगायी,
ब्रह्महत्या से मुक्ति पायी।
लखनऊ शहर की शान है,
जौनपुर, सुल्तानपुर भी इसका धाम है।।

ऐसी गोमती नदी का मान करो,
मत करो प्रवाहित कूड़ा कचरा।
नदी नहीं है केवल पानी का रास्ता,
है ये विरासत हिन्दुस्तान की।।

रचना- मोनिका श्रीवास्तव (प्र.अ.)
प्राथमिक विद्यालय दामोदरपुर
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

13

उत्तर प्रदेश- प्रमुख त्योहार

त्योहारों की लड़ी लगी,
फाल्गुन में होलिका जली।
देखो बच्चों के हाथों में,
पिचकारी है रंग भरी।।

सावन में गाएँ मल्हार,
आया राखी का त्योहार।
रंग-बिरंगी राखी सजती,
भर प्याला सेवइयाँ मिलती।।

रमजान में ईद पर्व आया,
ईद का मेला खूब सजाया।
आए दशहरा रावण जलता,
शहर गाँव फिर खूब उमड़ता।।

कार्तिक में दीवाली आयी,
सँग में अपने सर्दी लायी।
लगा मिठाइयों का अम्बार,
नाचे चरखी और अनार।।

रचना
पूनम देवी (शि०मि०)
प्रा० वि० मकनपुर
लहरपुर, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

हमारा उत्तर प्रदेश

14

ऐतिहासिक इमारत- जौनपुर का शाही किला

जौनपुर का शाही किला,
गोमती के किनारे बना है।
यह तुगलक, लोदी और,
मुगलों के नियन्त्रण में रहा है।।

यह शाही किला 1362 ई० में,
फिरोजशाह द्वारा बनाया गया।
नीले, पीले पत्थरों से सजाया,
इसे एक टीले पर बनाया गया।।

इसमें तुर्की शैली का हमाम,
और एक मस्जिद भी स्थित है।
इसका निर्माण कार्य हिन्दू,
और बौद्ध शैली से प्रेरित है।।

मुगल बादशाह हुमायूँ ने,
मध्यकाल मे पुनः बनवाया।
ये बहुत सराहनीय उत्कृष्ट,
छवि का प्रतीक माना गया।।

रचना- नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

15

पर्यटन स्थल- बड़ा इमामबाड़ा

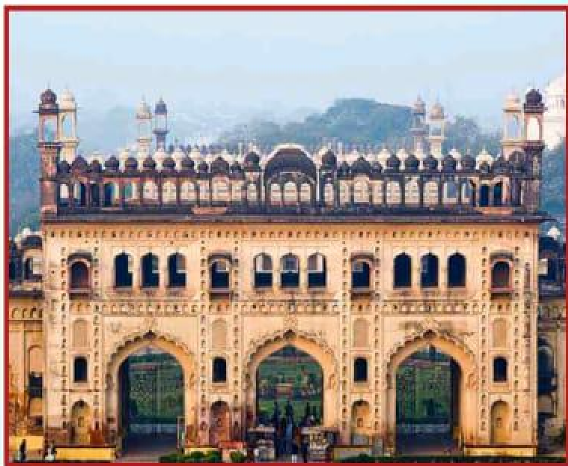

नवाबों के शहर लखनऊ की शान है,
बड़ा इमामबाड़ा जिसका नाम है।
इस इमारत की कारीगरी कमाल है,
ऐतिहासिक इमारतों में बेमिसाल है।।

छत तक पहुँचने के लिए इसमें,
84 सीढ़ीयो का बिछा जाल है।
जो इनमें घुस जाए बाहर नहीं निकल पाए,
इसलिए इसे भूलभुलैया भी कहा जाए।।

ईरानी निर्माण शैली से निर्मित,
यह गुम्बद नुमा इमारत है।
इमामबाड़ा ऐतिहासिक द्वार का घर है,
अद्भुत वास्तुकला युक्त यह भवन है।।

बिना बीम के सहारे खड़ी,
भव्य वास्तुकला का उदाहरण है।
जिसे देखकर आधुनिक,
वास्तुकार भी हो जाते हैरान हैं।।

रचना- रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कलां-2
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

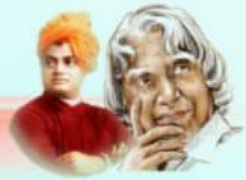

हमारा उत्तर प्रदेश

16

धार्मिक स्थल उ०प्र०

गोवर्धन

जनपद मथुरा के पश्चिम में स्थित,
बीस किलो मीटर दूर गोवर्धन धाम है।
भक्तों की भक्ति की आस्था अलौकिक जहाँ,
प्राचीन पर्वत श्री गिरिवर महान है।।

भगवान श्री कृष्ण की लीला स्थली है यहीं,
ग्वाल-बाल संग में गायों को चराया था।
कोप किया इन्द्र ने ब्रज को जब बहाने का,
पूज पर्वत श्री कृष्ण ने, अंगुलि पर उठाया था।।

सप्त कोस विस्तारित पर्यटन है स्थली,
देश और विदेशों से लोग यहाँ आते हैं।
आस्था असीम धारि, धरा दण्डवती करें।
परिक्रमा लगा करके पुण्य फल को पाते हैं।।

राधाकुण्ड, आन्यौर, पूँछरी और जतीपुरा,
गिरिवर चरण में ये चार प्रमुख गाँव हैं।
गंगा है मानसी, मुखारविन्द गोवर्धन,
अद्भुत तलहटी में शीतल सी छाँव है।।

रचना- एच.के.अज्ञानी (प्र०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- मुखराई
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

17

उत्तर प्रदेश के उद्योग-धन्धे

उत्तर प्रदेश के उद्योग-धन्धों की,
दुनिया भर में है पहचान।
चीनी उद्योग में पूरे देश में,
उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान।।

सूती व ऊनी वस्त्रों में है विशेष,
स्थान तृतीय देश में, विश्व में भी एक।
चमड़ा हो या दियासलाई उद्योग,
प्रसिद्ध आगरा, कानपुर, बरेली, मेरठ देख।।

काँच उद्योग में उत्तर प्रदेश,
का आता है अग्रणी नाम।
उसमें भी फिरोजाबाद का,
प्रसिद्ध बहुत होता है काम।।

एलुमिनियम, रासायनिक,
या स्प्रिट साबुन उद्योग।
खाद्य तेल या साइकिल,
प्रसिद्ध हैं सभी उद्योग।।

रचना
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी, खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

18

उत्तर प्रदेश- की गंगा नदी

भारत का गौरव है गंगा,
हिम की गोद से निकली है।
जब तक पर्वत में रहती है
अलकनन्दा कहलाती है।।

मैदान में आने से पहले,
यह गंगा बन जाती है।
हरा-भरा मैदान बनाती,
सुन्दर बन तक जाती है।।

सरस्वती, यमुना से संगम,
प्रयागराज में करती है।
देश की बड़ी धरोहर है,
जन-जन के दिल में बसती है।।

बंगाल की खाड़ी में जाकर,
सागर से मिल जाती है।
कहते हैं जल इसका पीकर,
काया निर्मल हो जाती है।

रचना- आराधना सिंह (प्र.अ.)
उच्च प्राथमिक विद्यालय लोढ़वारा
चित्रकूट, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

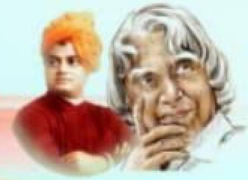

हमारा उत्तर प्रदेश

19

उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थल

उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थल,
एक से बढ़कर एक यहाँ पर।
घूमने की इतनी जगह है,
जैसे गागर में हो सागर।।

आगरा का ताजमहल,
सिकन्दरा, फतेहपुर सीकरी।
मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि,
द्वारकाधीश की यह नगरी।।

वृन्दावन में पागल बाबा,
इस्कॉन और प्रेम मन्दिर।
वाराणसी का अस्सी घाट,
बड़े हनुमान, विश्वनाथ मन्दिर।।

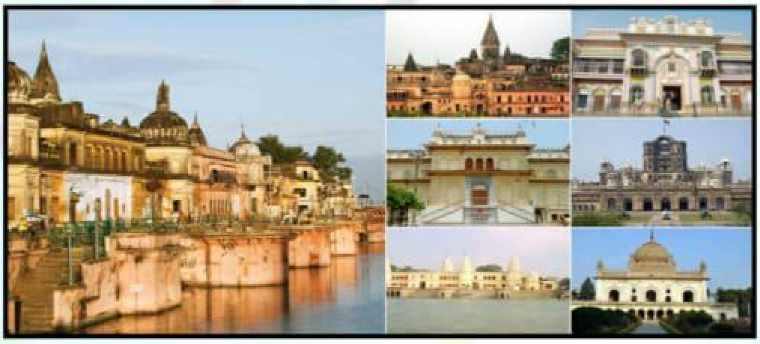

सारनाथ स्तूपों का गढ़,
अयोध्या राम की है नगरी।
इलाहाबाद कुम्भ का मेला,
चित्रकूट, कामादगिरी।।

लखनऊ का इमामबाड़ा,
चिड़ियाघर और हजरतगंज।
झाँसी में रानी का किला,
देख कर सब रह जाएँ दंग।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

हमारा उत्तर प्रदेश

20

उत्तर प्रदेश की नदियाँ

उत्तर-प्रदेश में गंगा है,
गंगा का निर्मल पानी है।
है सबसे बड़ी नदी गंगा,
और जिसकी अमर कहानी है।।

उद्गम स्थल है गंगोत्री,
सुरसरि, पद्मा कहलाती है।
कहते हैं देवनदी,जान्हवी,
भागीरथी पूजी जाती है।।

यमुना, यमुनोत्री से निकली,
उत्तरकाशी से बहती है,
प्रयागराज में जा करके,
यमुना में संगम करती है।।

है नदी रामगंगा, सरयू,
घाघरा और राप्ती भी है।
चंबल, गंडक है केन, टोंस,
बेतवा, सोन और गोमती है।।

रचना
अनुपम वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बहादुरपुर
बंकी, बाराबंकी

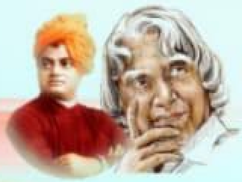

हमारा उत्तर प्रदेश

21

राजकीय पक्षी- क्रौंच

प्रेम और समर्पण का प्रतीक,
यह प्यारा पक्षी कहलाए।
उत्तर प्रदेश का राजकीय विहग,
क्रौंच नाम से जाना जाए।।

सब पक्षियों से बड़ा यह पक्षी,
विश्व का विशाल उड़ने वाला।
गंगा के मैदानी भागों में मिलता,
स्थाई प्रवासी सारस निराला।।

झीलों, नदियों, तालाबों में,
खूबसूरत जोड़ा पाया जाता।
जोड़ा टूट जाने पर यह पक्षी
अपना जोड़ा नहीं कभी -कभी।।

भारत में इस खग की निशिदिन,
संख्या में कमी दिखे भारी।
अपने राजकीय पक्षी को,
बचाने की हो रही तैयारी।।

रचना- मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

हमारा उत्तर प्रदेश

22

ताजमहल

ताजमहल की अद्भुत कहानी,
प्रेम-प्यार की अद्वितीय निशानी।
शोभा बढ़ाता है उत्तर प्रदेश की,
ऐतिहासिक इमारत है आगरा की।।

बनवाया इसे मुगल सम्राट शाहजहाँ ने,
अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में।
कारीगर थे उस्ताद अहमद लाहौरी,
सफेद संगमरमर पर की उम्दा कलाकारी।।

मुगल वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना,
ताजमहल है विश्व का सातवां अजूबा।
फारसी, तुर्की, भारतीय शैली का है संगम,
निर्मित यमुना नदी पर यह दृश्य विहंगम।।

1632 से 1652 तक का समय लगा,
20,000 मजदूरों ने श्रम समर्पित किया।
श्वेत गुम्बद का विशाल मेहराब द्वार है,
यह मानव की उत्तम कृति विश्व धरोहर है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

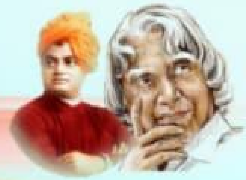

हमारा उत्तर प्रदेश

23

सोन नदी

मध्य भारत की एक नदी,
नाम है इसका सोन नदी।
दूजा नाम इसका सोन शिला,
इसका उद्गम अनुपपुर जिला ।।

इसकी बालू पीले रंग की,
चमकती रहती सोने जैसी।
सोन नाम इसी से पाया,
अपने जल से सबको हर्षाया।।

मध्य प्रदेश से यह निकलती,
उत्तर प्रदेश, बिहार में निर्झर बहती।
बहती है बडी सरल और शान्त,
पर बरसात मे हो जाती क्रान्त।।

784किलोमीटर क्षेत्र हरित होता।
जल इसका सबको शीतल करता।
वर्णन इसका रामायण में मिलता,
अन्त मे मिलन पावन गंगा में होता।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० पनेरुवा (1-8)
अमौली, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

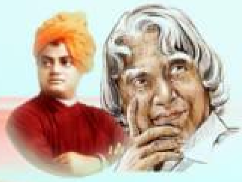

हमारा उत्तर प्रदेश

24

पर्यटन स्थल- सारनाथ बौद्ध स्तूप

सारनाथ और वाराणसी के पूर्वोत्तर में,
बौद्ध स्थल है सारनाथ के बौद्ध स्तूप।
बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थों में से,
एक हैं ये सारनाथ के बौद्ध स्तूप।।

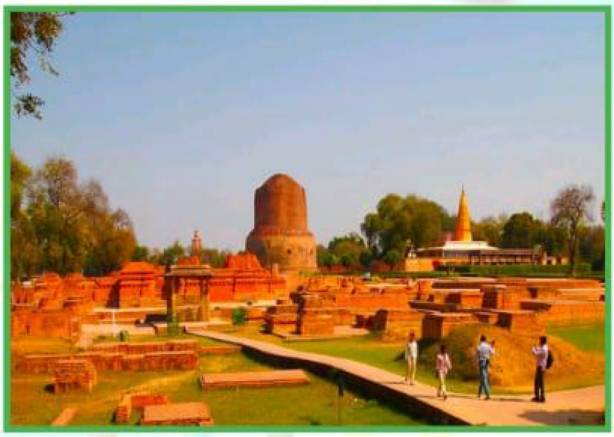

ज्ञान प्राप्ति के बाद महात्मा बुद्ध ने,
सर्वप्रथम उपदेश यही पर दिया।
इसको धर्म चक्र प्रवर्तन स्तूप,
के नाम से भी जाना गया।।

महान सम्राट अशोक के शासन काल में,
इसकी आधारशिला रखी गयी।
गुप्त काल में यह पूरा बनकर तैयार हुआ,
महमूद गजनवी ने इसको ध्वस्त किया।।

यह स्तूप एक ठोस गोलाकार,
बुर्ज की भांति दिखता है।
संसार भर से बौद्ध व अन्य पर्यटकों को,
भ्रमण हेतु आकर्षित करता है।।

रचना- रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

हमारा उत्तरप्रदेश

रचनाकारों की सूची

01- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
02- भुवन प्रकाश, सीतापुर
03- जितेन्द्र कुमार, बागपत
04- नीतू शुक्ला, उन्नाव
05- नैमिष शर्मा, मथुरा
06- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
07- सतीश चन्द्र, सीतापुर
08- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
09- शिखा वर्मा, सीतापुर
10- ज्योति सागर, बागपत
11- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
12- मोनिका श्रीवास्तव, फतेहपुर
13- पूनम देवी, सीतापुर
14- नीलम भास्कर, बागपत
15- रीना रानी, बागपत
16- एच० के० अज्ञानी, मथुरा
17- सुमन पांडेय, फतेहपुर
18- आराधना सिंह, चित्रकूट
19- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
20- अनुपम वर्मा, बाराबंकी
21- मन्जू शर्मा, हाथरस
22- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
23- इला सिंह, फतेहपुर
24- रीना कुमारी, बागपत

तकनीकी सहयोग

1. आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
2. सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद